संकलित परीक्षा-1 (2013-14)

कक्षा-X

विषय : हिन्दी (सैट-I)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

आत्मनिर्भरता का अर्थ है - अपने ऊपर निर्भर रहना, जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है - समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है। वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है।

आत्मनिर्भर बनकर हार्दिक आनन्द प्राप्त करो। स्वावलंबन के अन्य अनेक उदाहरण भी देखने को मिलते हैं। पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों में तो स्वावलंबन कूट-कूट कर भरा है। वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं। सूर्य से प्रकाश, चन्द्रमा से रस व आकाश से जल प्राप्त कर पौधे स्वतः बढ़ते जाते हैं। वे चीजों के लिए किसी भी खुशामद नहीं करते। पशु-पक्षी ज़रा से बड़े हुए नहीं कि निकल पड़ते हैं अपने भोजन की तलाश में। चींटी जैसा नन्हा-सा जीव भी स्वावलंबन का महत्त्व समझता है।

आत्मनिर्भरता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है। स्वावलंबी मनुष्य को अपने आप पर विश्वास होता है जिससे वह किसी के भी कहने में नहीं आ सकता। यदि हमें किसी काम में सफलता प्राप्त करनी है तो हमें किसी के अधीन नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे स्वयं करना चाहिए। एकलव्य स्वयं के प्रयास से धनुर्विद्या में प्रवीण बना। निपट दरिद्र विद्यार्थी लालबहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने, साधारण से परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम स्वावलंबन के सहारे ही भारत के राष्ट्रपति बने। जिस प्रकार अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाते हैं, सूक्ति भाषा को चमत्कृत करती है, गहने नारी का सौन्दर्य बढ़ाते हैं उसी प्रकार आत्मनिर्भरता मानव में अनेक गुणों का विकास करती है।

(क) 'आत्मनिर्भरता' से आप क्या समझते हैं?

(i) आत्मनिर्भरता ही सफलता है।

(ii) अपना काम स्वयं न करके दूसरों से कराना।

(iii) स्वयं पर निर्भर रहकर अपनी जरूरतों को पूरा करना।

(iv) सफलता की भावना ही आत्मनिर्भरता है।

(ख) मनुष्य हार्दिक आनन्द कब प्राप्त करता है?

(i) जब आत्मविश्वास से अपने भरोसे पर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

(ii) जब मानव पक्षियों को, पौधों को अपना भोजन बनाते देखता है।

(iii) चींटी से स्वावलंबन का पाठ पढ़ता है।

(iv) जब दूसरों को सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते देखता है।

(ग) 'आत्मनिर्भरता' को जीवन में अपनाने से क्या लाभ होता है?

(i) काव्य की शोभा बढ़ती है। (ii) भाषा को चमत्कृत करती है।

(iii) नारी का सौन्दर्य बढ़ता है। (iv) मानव में गुणों का विकास होता है।

(घ) एकलव्य और लालबहादुर शास्त्री के उदाहरण लेखक ने किस संदर्भ में दिए हैं?

(i) ताकि हम वैसे न बन सकें।

(ii) शिक्षा देने के लिए

(iii) बात समझाने के लिए

(iv) स्वावलंबी व्यक्ति सदैव आगे बढ़ता है यह बताने के लिए

(ङ) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए :-

(i) स्वावलंबन : जीवन का आभूषण (ii) आत्मा का ज्ञान आवश्यक

(iii) चरित्रबल : जीवन की पूँजी (iv) इनमें से कोई नहीं

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिलती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। यह रिवाज़ की ही बात नहीं हम सचमुच मानते भी हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य संगम-स्नान में है। आज जिस दौर से भारत गुजर रहा है उसमें असली संगम वे स्थान हैं, वे सभाएँ तथा मौके हैं जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों (क्षेत्रों) का सौन्दर्य, भाव, आँसू और उल्लास लिए चलती हैं। उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलने का प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार हैं। उनके भावों और विचारों का मिलन होता है; तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं। इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है। भारतीय लेखकों की बहुत दिनों से आकांक्षा रही है कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचे और उनकी कृतियों की चर्चा हो। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है।

(क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल किसको माना है और क्यों?

(i) जहाँ विभिन्न सभाएँ होती हैं।

(ii) जहाँ विभिन्न भाषाओं के लोगों के भावों और विचारों का मिलन होता है।

(iii) जहाँ विविध जनपद मिलते हैं।

(iv) जहाँ एक से अधिक जनपदों के संत एकत्रित होते हैं।

(ख) भाषा-संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है?

(i) जनता के आँसू और उमंगे शामिल हैं। (ii) भाव, विचार तथा आशाएँ शामिल हैं।

(iii) भिन्नताओं में छिपी एकता प्रत्यक्ष हो उठती है। (iv) उपर्युक्त सभी।

(ग) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है?

(i) भारतवासी जो श्रद्धा से तीर्थों में स्नान करता है।

(ii) भारतीय एकता में विश्वास रखने वाला।

(iii) भाषाओं के संगम-तीर्थों में श्रद्धा से स्नान करने वाला भारतवासी।

(iv) तीर्थों में स्नान करने वाले साधुजन।

(घ) 'भिन्नता' का विलोम शब्द है :-

(i) अभिन्नता (ii) असमानता

(iii) विभिन्न (iv) विभिन्नता

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक है :-

(i) तीर्थ स्थानों का महत्त्व (ii) पुण्यशील संगम

(iii) भाषा संगम : एक तीर्थ स्थल (iv) भारतीय एकता

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

मिट्टी तन है मिट्टी मन है, मिट्टी दाना-पानी है।
मिट्टी ही तन-बदन हमारा, सो सब ठीक कहानी है
पर जो उलटा समझ इसे ही बने आप ही ज्ञानी है
मिट्टी करता है जीवन को और बड़ा अज्ञानी है।
समझ सदा अपना तन मिट्टी, मिट्टी जो रमाता है
मिट्टी करके सरबस अपना, मिट्टी में मिल जाता है।
जगत है सच्चा, तनिक न कच्चा समझो बच्चा इसका भेद
खाओ पीओ कर्म करो नित कभी न लाओ मन में खेद।
रचा उसी का है यह जग तो निश्चय उसको प्यारा है
इसमें दोष लगाना अपने लिए दोष का द्वारा है।
ध्यान लगाकर जो देखो तुम सृष्टि की सुघराई को,
बात-बात में पाओगे तुम उस स्रष्टा की चतुराई को।
चलोगे सच्चे दिल से जो तुम निर्मल नियमों के अनुसार
तो अवश्य प्यारे जानोगे, सारा जगत सच्चाई सार।

(क) जगत की सच्चाई हम कैसे जान सकते हैं?

(i) दिन-रात परिश्रम करके (ii) बड़ों एवं गुरुजनों की सेवा करके

(iii) सच्चे दिल से नियमों का पालन करके (iv) शिक्षा प्राप्त करके

(ख) संसार की रचना में दोष निकालना क्यों व्यर्थ है?

(i) ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।

(ii) संसार के रचयिता ने हर चीज़ चतुराई से बनाई है।

(iii) हम चीज़ों में दोष देखते हैं, परन्तु दोष होता नहीं है।

(iv) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

(ग) कवि ने क्या करने के लिए प्रेरित किया है?

(i) निरन्तर कर्म करने के लिए। (ii) ध्यान लगाने के लिए।

(iii) तन पर मिट्टी रमाने के लिए। (iv) मन में खेद लाने के लिए।

(घ) अपना तन मिट्टी समझने का क्या अर्थ है?

(i) संसार नश्वर है। (ii) शरीर अनश्वर है।

(iii) शरीर अमर है। (iv) शरीर नश्वर है।

(ङ) कविता का उचित शीर्षक छाँटकर लिखिए :-

(i) मातृभूमि (ii) भारतमाता

(iii) मिट्टी की महिमा (iv) मिट्टी के चमत्कार

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

लाल पत्थर लाल मिट्टी
लाल कंकड़ लाल बजरी
लाल फूले ढाक के बन
डाँग गाती फाग कजरी
सनसनाती साँझ सूनी
वायु का कंठला खनकता
झींगुरों की खंजड़ी पर
झाँझ की बीहड़ झनकता।
बीच सूने में -
बनैये ताल का फैला अतल जल
थे कभी आये यहाँ पर छोड़ दमयन्ती दुःखी नल
भूख व्याकुल ताल से ले
मछलियाँ थीं जो पकाई
शाप के कारण जली ही
वे उछल जल में समायी
है तभी से साँवली
सुनसान जंगल की किनारी।

(क) चारों ओर के वातावरण में कौन-सा रंग समाया है -

(i) लाल (ii) काला

(iii) पीला (iv) नीला

(ख) साँझ कैसी है -

(i) नाचती (ii) गाती

(iii) सूनी (iv) गुनगुनाती

(ग) कविता में खंजड़ी किसकी है -

(i) बीहड़ की (ii) साँझ की

(iii) झींगुरों की (iv) दमयन्ती की

(घ) कविता में आए 'ताल' के विषय में क्या लोक धारणा है?

(i) भगवान राम अयोध्या लौटते समय यहाँ आए थे।

(ii) शापग्रस्त राजा नल यहाँ आए थे।

(iii) पांडवों ने वनवास का अधिकांश समय यहाँ बिताया था।

(iv) उपर्युक्त तीनों कथनों में से कोई नहीं।

(ङ) जंगल की किनारी साँवली क्यों है -

(i) भूख की व्याकुलता के कारण (ii) जंगल का रंग ही काला है

(iii) पकाई गई मछलियों के जल में समाने के कारण (iv) लाल मिट्टी के कारण

(खण्ड-ख)

प्र5. (क) शब्द 'पद' कब बन जाता है? उदाहरण सहित समझाए। (2)

(ख) निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए :- (1x2=2)

(i) वसुदेव पुत्र कृष्ण ने मथुरा में जन्म लिया।

(ii) मन लगाकर पढ़ने वाले छात्र ही परीक्षा में सफल हो पाते हैं।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए :- (1x3=3)

(i) अचानक बादल घिर आए।

(ii) अध्यापक ने अर्जुन की वीरता की कहानी सुनाई।

(iii) दौड़कर जाओ और उसे बुलाकर लाओ।

प्र6. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए :- (1)

जैसे ही सूर्यास्त हुआ, पक्षी अपने घोंसलों में लौटने लगे।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :- (1x2=2)

(i) जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) आप अन्दर आकर बैठ जाइए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

प्र7. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :- (1x2=2)

नदीश, भोजनालय

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए :- (½x2=1)

फल + अनुसार, राम + ईश्वर

प्र8. (क) निम्नलिखित का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए :- (1)

नीलांबर

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :- (1x2=2)

यज्ञ के लिए शाला, वचन रूपी अमृत

प्र9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए- (1x4=4)

(i) सुध-बुध खोना (ii) आवाज़ उठाना

(iii) राह न सूझना (iv) एक हाथ से ताली नहीं बजती

(खण्ड-ग)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि ॥

सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै ॥

(क) दोहे में 'मैं' शब्द का आशय है -

(i) कबीर (ii) अहंकार

(iii) मोह-माया (iv) अज्ञान

(ख) 'दीपक देख्या माहि' का आशय है -

(i) आनन्द भीतर देख लिया (ii) परमात्मा मन में ही देख लिया

(iii) 'मैं' मन में ही मिल गया (iv) सांसारिक भोग अपने हाथ में ही है।

(ग) कबीर के अनुसार 'जागा हुआ' कौन है?

(i) जो ईश्वर का नाम लेकर ईश्वरमय हो जाए। (ii) जो ईश्वर से मिलकर दूर हो जाए।

(iii) जो ईश्वर का वियोग अनुभव करे। (iv) जो सांसारिक सुख पाए।

(घ) सारा संसार कबीर की दृष्टि में सुखी क्यों है?

(i) क्योंकि वे सब ज्ञानी हैं।

(ii) क्योंकि वे चिंता रहित हैं।

(iii) क्योंकि वे अज्ञान के कारण सांसारिक सुख में लिप्त हैं।

(iv) क्योंकि वे अँधेरे में डूबे हुए हैं।

(ङ) कबीर क्यों जागते और रोते हैं?

(i) कबीर को नींद नहीं आती।

(ii) कबीर सबको सुखी देखकर रोते हैं।

(iii) कबीर को समाज की चिंता नहीं है।

(iv) कबीर को ईश्वर का वास्तविक ज्ञान प्राप्त हो गया है।

अथवा

पावस ऋतु थी पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
- जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल!

(क) यहाँ किस ऋतु का वर्णन किया गया है?

(i) ग्रीष्म (ii) शीत

(iii) वर्षा (iv) हेमन्त

(ख) पर्वत किसमें अपना प्रतिबिम्ब देख रहा है?

(i) झरने में (ii) दर्पण में

(ii) फूलों में (iv) तालाब में

(ग) पर्वत किस आकार में खड़े हैं?

(i) मोतियों के आकार में (ii) करधनी के आकार में

(iii) सरताज के आकार में (iv) दर्पण के आकार में

(घ) पल-पल क्या परिवर्तित हो रहा है?

(i) प्राकृतिक दृश्य (ii) वर्षा का होना

(iii) पर्वतों का स्वरूप (iv) बादलों का आकार

(ङ) पर्वत के चरणों में तालाब -

(i) हरियाली के समान फैला हुआ है। (ii) काँच के समान फैला हुआ है।

(iii) दर्पण के समान फैला हुआ है। (iv) मोतियों के समान फैला हुआ है।

प्र11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3x2=6)

(क) छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

(ख) पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अन्तर था? पाठ 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर लिखिए।

(ग) फिल्म 'श्री 420' के गीत 'रातों दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति क्यों की?

प्र12. 'तताँरा-वामीरो कथा' - पाठ के आधार पर तताँरा का चरित्र-चित्रण कीजिए। (5)

अथवा

बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सुभाष बाबू के जुलूस का भार पूर्णोदास पर था। पर यह प्रबंध कर चुका था। स्त्री समान अपनी तैयारी में लगा था। जगह-जगह से स्त्रियाँ अपना जुलूस निकालने की तथा ठीक स्थान पर पहुँचने की कोशिश कर रही थीं। मोनुमेंट के पास जैसा प्रबंध भोर में था वैसा करीब एक बजे नहीं रहा। इससे लोगों को आशा होने लगी कि शायद पुलिस अपना रंग न दिखलावे पर वह कब रुकने वाली थी। तीन बजे से ही मैदान में हज़ारों आदमियों की भीड़ होने लगी और लोग टोलियाँ बना-बनाकर मैदान में घूमने लगे। आज जो बात थी वह निराली थी।

(क) मोनुमेंट के पास जैसा प्रबंध भोर में था वैसा करीब एक बजे तक क्यों नहीं रहा? (1)

(ख) पुलिस द्वारा अपना रंग दिखालाने का क्या आशय है? (2)

(ग) लेखक ने किस दिन को निराला कहा है और क्यों? (2)

अथवा

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततँारा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततँारा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततँारा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था। किन्तु वही ततँारा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुन्दर, बलिष्ठ किन्तु बेहद शान्त, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा

वह अपने जीवन साथी के बारे में सोचती रहती थी। किन्तु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परम्परा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किन्तु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

(क) घर पहुँचकर वामीरो को बेचैनी क्यों महसूस हुई? (1)

(ख) वामीरो-तताँरा को क्यों भूल जाना चाहती थी? (2)

(ग) वामीरो ने तताँरा के बारे में क्या सुन रखा था परन्तु वह उसे भिन्न क्यों लगा? (2)

प्र14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3x3=9)

(क) कबीर की पठित साखियों के आधार पर कबीर की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) मीरा श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सहस्र दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि पंत ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?

(घ) 'तोप' कविता से हमें क्या संदेश मिलता है?

प्र15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3+3=6)

(क) हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?

(ख) गाँव के नेताजी ने हरिहर काका की जमीन के लिए क्या प्रस्ताव रखा?

(ग) हरिहर काका का चरित्र-चित्रण कहानी के आधार पर कीजिए।

प्र16. 'आज समाज में मानवीय मूल्य तथा पारिवारिक मूल्य धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं।' हमारी युवा पीढ़ी इन मानवीय मूल्यों को बचाए रखने में किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है? (4)

(खण्ड-घ)

प्र17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) विद्यार्थियों पर दूरदर्शन का प्रभाव

- दूरदर्शन एक महत्त्वपूर्ण साधन
- विद्यार्थियों का बढ़ता आकर्षण
- समय और स्वास्थ्य की हानि
- संतुलन की आवश्यकता

(ख) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे

- प्रकृति में परिवर्तन
- ग्लोबल वार्मिंग का खतरा
- कारण
- प्रभाव व बचाव

(ग) मधुर वचन है औषधि कटुक वचन है तीर

- वाणी एक अनमोल वरदान
- मधुर वाणी का प्रभाव
- कटु वचनों के प्रयोग से हानियाँ, उदाहरण

प्र18. बैंक में खाता खोलने के लिए पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर के नाम पत्र लिखिए। (5)

अथवा

वन-विभाग द्वारा लगाए गए वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

संकलित परीक्षा-1 (2013-14)

कक्षा-X

विषय : हिन्दी (सैट-II)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

निर्देश :

(i) ***इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।***

(ii) ***चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।***

(iii) ***यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।***

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

वह ईंट, जिसने अपने को साथ हाथ ज़मीन के अंदर इसलिए गाड़ दिया कि इमारत ज़मीन के सौ हाथ ऊपर तक जा सके। वह ईंट, जिसने अपने लिए अंधकूप इसलिए कबूल किया कि ऊपर के उसके साथियों को स्वच्छ हवा मिलती रहे। सुनहली रोशनी मिलती रहे। उस ईंट ने अपना अस्तित्व इसलिए विलीन कर दिया कि सुंदर सृष्टि की रचना हो सकें। सुन्दर सृष्टि हमेशा ही बलिदान खोजती है। बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का। सुंदर इमारत के लिए कुछ पक्की-पक्की लाल ईंटों को चुपचाप नींव में रहना होता है। सुंदर समाज के लिए कुछ तपे-तपाए लोगों को मौन-मूक रह कर शहीद होना पड़ता है। जिस बलिदान को प्रसिद्धि प्राप्त होती है; वह इमारत का कंगूरा या मंदिर का कलश बनती है। शहादत और देशप्रेम ही समाज की आधारशिला होती है।

(क) ईंट ने अपने लिए अंधकूप कबूल किया क्योंकि -

(i) उसे अपना स्वरूप पसंद नहीं है। (ii) वह स्वयं को मज़बूत समझती है।

(iii) अन्य ईंटों को हवा रोशनी मिलती रहे। (iv) उसको मिट्‌टी से लगाव है।

(ख) सुंदर सृष्टि के निर्माण के लिए आवश्यक है -

(i) सुंदर मानव (ii) तकनीक का विकास।

(iii) प्राकृतिक सौन्दर्य (iv) बलिदान।

(ग) सुंदर इमारत बनाने के लिए ईंट को लगना पड़ता है -

(i) भट्‌टों में। (ii) ट्रकों में।

(iii) तहखानों में। (iv) नींव में।

(घ) जिस बलिदान को प्रसिद्धि मिलती है, उसे कहा गया है -

(i) इमारत का कंगूरा और मंदिर का कलश। (ii) इमारत की नींव और मंदिर का कलश।

(iii) मंदिर का कलश और मंदिर का देवता। (iv) इमारत की दीवार और इमारत की नींव।

(ङ) समाज की आधारशिला टिकी है -

(i) धर्म और धन पर। (ii) मौन मूक शहादत पर।

(iii) शहादत और भक्ति पर। (iv) धन और ईमानदारी पर।

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बड़ी हैं। वह अपने आदर्श से बहुत नीचे है। उसे दूसरों से बहुत कुछ सीखना है। उसे अपने बड़ों का सम्मान करना चाहिए। छोटों व बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करना चाहिए। हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। ये सभी बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। नम्रता से मेरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है। दब्बूपन कायरता है। इसमें व्यक्ति दूसरों की कृपा पाने की इच्छा रखता है। दूसरों का मुँह ताकता है। उसका संकल्प क्षीण और उसकी बुद्धि मंद हो जाती है। उसमें आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। अवसर आने पर वह चटपट निर्णय नहीं ले पाता। वह आगे बढ़ने के समय पीछे रहता है। वह अक्सर भाग्यवादी बन कर्म से मुँह मोड़ लेता है। सफलता प्राप्त न होने पर निराश हो जाता है। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है। अतः उसे प्रत्येक विपरीत स्थिति के बीच भी अपनी राह आप निकालनी है। उन्हें 'आत्म दीपो भव' के सिद्धांत को स्वीकार करके अपना दीपक स्वयं बनना होगा।

(क) युवाओं को सदा क्या स्मरण रखना चाहिए?

(i) वे बहुत योग्य हैं।

(ii) उनकी आकांक्षाएँ बहुत बड़ी हैं।

(iii) उनके आदर्श बहुत ऊँचे हैं।

(iv) उनकी आकांक्षाएँ उनकी योग्यता से कहीं बड़ी हैं।

(ख) आत्ममर्यादा के लिए किस गुण का होना जरूरी है?

(i) स्वाधीनता का। (ii) नम्रता का।

(iii) आत्मशांति का। (iv) कठोरता का।

(ग) दब्बूपन को कायरता इसलिए माना गया है, क्योंकि -

(i) इससे विनम्रता आती है।

(ii) व्यक्ति हर समय डरा नहीं रहता है।

(iii) परिवार में दबदबा समाप्त हो जाता है।

(iv) व्यक्ति दूसरों की कृपा पाने की इच्छा रखता है।

(घ) 'आत्म दीपो भव' से क्या अभिप्राय है?

(i) अपना मार्गदर्शन स्वयं करना। (ii) घी के दीये जलाना।

(iii) रोशनी फैलाना। (iv) खुशियाँ मनाना।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक छाँटिए।

(i) भाग्यवादिता गुणों की जननी। (ii) कायरता गुणों की जननी।

(iii) सच्ची आत्मा। (iv) नम्रता गुणों की खान।

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों सही उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए - (1x5=5)

अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफ़रत अधिक प्यार है कम।
हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम।
हिंसा के प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश!

जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश!
भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है,
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है।
एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश!
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश!
इसकी बागडोर हाथ में, ज़रा हमारे आने दो,
थोड़ा-सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो।
हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश,
घोर अभावों की ज्वाला में, कल से नहीं जलेगा देश।
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश!

(क) कविता के द्वारा मनुष्य के मन में क्या विश्वास जागता है?

(i) लोगों के दिल में नफ़रत कम है।

(ii) समाज में भ्रष्टाचार कम है।

(iii) देश एक घरौंदा है।

(iv) भविष्य में देश सुसंस्कृत, सभ्य व सुदृढ़ बनेगा।

(ख) 'हिंसा के विषमय प्रवाह' से कवि का क्या आशय है?

(i) हिंसा दर्दनाक है।

(ii) हिंसा उन्नति के मार्ग में बाधक है।

(iii) हिंसा का जहरीला प्रवाह अनगिनत प्राणियों को बहाकर ले जाएगा।

(iv) उपर्युक्त सभी कथन सत्य है।

(ग) 'एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश!' - पंक्ति का आशय है -

(i) देश घरौंदे के समान ढह जाएगा। (ii) कुरीतियाँ मिट जाएंगी।

(iii) जागरण होकर रहेगा। (iv) अब देश का और पतन नहीं होगा।

(घ) 'हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश' - पंक्ति में शपथ कौन खा रहा है?

(i) देश के बच्चे। (ii) देश के नेता

(iii) देश के वृद्ध। (iv) देश के सैनिक।

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए :-

(i) जब प्यार ज्यादा होगा। (ii) नई चेतना लानी है।

(iii) देश घरौंदे के समान। (iv) देश की दुर्दशा।

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्पों में से चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

पृथ्वी की छाती फाड़, कौन यह अन्न उगा लाता बाहर?
कंकड़ पत्थर से लड़-लड़कर, ऊसर बंजर को उर्वर कर।
सशक्त भुजाएँ हैं तेरी, मज़दूर शक्ति तेरी अपार।
पाताल फोड़कर, महाभीष्म! भूतल पर लाता जलधार।

खेती से लाता कपास, धुन-धुन, बुनकर अंबर अनुपम।
वस्त्र विहीन घूमा करती दुनिया, मिलता न अन्न भूखों मरती।
    तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में।
    तू छिपा नवल निर्माणों में, गीतों और पुराणों में।
तू ब्रह्मा-विष्णु रहा सदैव, तू है महेश प्रलयंकर फिर।
हो तेरा तांडव, शंभु! आज हो ध्वंस, सृजन मंगलकर फिर ॥

(क) धरती की छाती फाड़कर कौन अन्न उगाता है?

(i) ज़मींदार। (ii) भीष्म।

(iii) किसान। (iv) ईश्वर।

(ख) मज़दूर की शक्ति को महान क्यों कहा गया है?

(i) बंजर धरती को उर्वर बनाने के कारण। (ii) ज़मीन खोदकर जल लाने के कारण।

(iii) खेती से कपास उगाने के कारण (iv) उपरोक्त सभी।

(ग) 'तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में' - पंक्ति का अर्थ है -

(i) मज़दूर ही राज्यों के उत्थान व यश का कारण है।

(ii) विज्ञान ही राज्यों के विकास का कारण है।

(iii) शिक्षा ही राज्यों के विकास का कारण है।

(iv) नेता ही राज्यों के विकास का कारण है।

(घ) कवि ने मज़दूर की तुलना किनके साथ की है?

(i) भीष्म और शंभु के साथ। (ii) ब्रह्मा और विष्णु के साथ।

(iii) किसान और ईश्वर के साथ। (iv) (i) और (ii) दोनों ठीक हैं।

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक कौन-सा है?

(i) सृजनकर्त्ता ब्रह्मा। (ii) मेहनतकश मज़दूर।

(iii) निर्माणकर्त्ता विष्णु। (iv) प्रलयंकर महेश।

(खण्ड-ख)

प्र5. (क) शब्द 'पद' कब बन जाता है? उदाहरण सहित समझाए। (2)

(ख) निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए :- (1x2=2)

(i) <u>खिली हुई कलियाँ</u> बहुत सुंदर लगती हैं।

(ii) नदी कलकल करती हुई <u>बह रही है</u>।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए :- (1x3=3)

(i) मेरे घर <u>के सामने</u> पेड़ है।

(ii) <u>सुनंदा</u> बहुत होशियार है।

(iii) मेरे पास <u>पाँच</u> पुस्तकें हैं।

प्र6. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए :- (1)

ज्यों ही रेलगाड़ी आई त्यों ही भगदड़ मच गई।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :- (1x2=2)

(i) परिश्रमी लोगों को निराश नहीं होना पड़ता। (मिश्र वाक्य में)

(ii) वर्षा आते ही प्रकृति हरी-भरी हो गई। (संयुक्त वाक्य में)

प्र7. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :- (1x2=2)

प्राणायाम, नायक

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए :- (½x2=1)

वृक्ष + आरोपण, अति + उत्तम

प्र8. (क) निम्नलिखित का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए :- (1)

गृहप्रवेश

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :- (1x2=2)

महान है जो देव, राजा का पुत्र

प्र9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए- (1x4=4)

(i) सूक्तिबाण चलाना (ii) सुराग न मिलना

(iii) अंधे के हाथ बटेर लगना (iv) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

(खण्ड-ग)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

हरि आप हरो जन री पीर।
द्रोपदी की लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीरा लाल गिरधर हरो म्हारी भीर ॥

(क) मीरा के आराध्य हैं -

(i) राम (ii) कृष्ण

(iii) शिव (iv) पार्वती

(ख) मीराबाई ने भगवान की भक्त-वत्सलता को सिद्ध करने के लिए किस-किस के उदाहरण दिए हैं?

(i) प्रह्लाद का (ii) द्रोपदी का

(iii) एरावत का (iv) उपर्युक्त तीनों का

(ग) गजराज को किसने पकड़ लिया था?

(i) प्रह्लाद ने (ii) द्रोपदी ने

(iii) मगरमच्छ ने (iv) कृष्ण ने

(घ) दासी मीरा अपने लिए कृष्ण से क्या प्रार्थना करती है?

(i) उनके कष्टों को दूर करें। (ii) उन्हें दर्शन दें।

(iii) उन्हें राजसी वैभव दें। (iv) (i) और (ii) दोनों।

(ङ) 'काटी कुण्जर' में कौन सा अलंकार है -

(i) रूपक (ii) मानवीकरण

(ii) अनुप्रास (iv) उपमा

अथवा

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुन्दर
झरते हैं झाग भरे निर्झर।
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरूवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर।

(क) काव्यांश में कौन-किसका कौरव गान कर रहा है?

(i) झरने पर्वतों का। (ii) झरने आसमान का।

(iii) झरने स्वयं का। (iv) वृक्ष पर्वतों का।

(ख) निर्झर की तुलना किससे की गई है?

(i) स्वर्ण हार से। (ii) फूलों की माला से।

(iii) मोतियों की माला से। (iv) वृक्षों से।

(ग) कवि को वृक्ष चिंतित क्यों लग रहे हैं?

(i) आने वाली आपदा के भय के कारण। (ii) हवा के चलने के कारण।

(iii) आकाश में झाँकने के कारण। (iv) इनमें से कोई नहीं।

(घ) पहाड़ों के हृदय से निकलकर कौन झाँक रहा है?

(i) झरने (ii) मोती की लड़ियाँ

(iii) बादल (iv) पेड़

(ङ) 'अनिमेष' शब्द का क्या अर्थ है?

(i) अनियमित (ii) तुरंत

(iii) बिना पलक झपकाए (iv) पलक झपकाकर

प्र11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3x2=6)

(क) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं।?

(ख) शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषता थी?

(ग) सुभाष बाबू ने जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

प्र12. 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर छोटे भाई का चरित्र-चित्रण लिखिए। (5)

अथवा

फ़िल्म निर्माता के रूप में शैलेंद्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बड़े बाजार के प्रायः मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालमू होता था कि मानो स्वतंत्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सज़ावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रैफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।

(क) कलकत्ता में ऐसा क्यों लग रहा था कि स्वतंत्रता मिल गई हो? (2)

(ख) पुलिस की तरफ से क्या-क्या तैयारियाँ की गई थीं? (2)

(ग) शहर में ट्रैफिक पुलिस क्यों नहीं दिखाई दे रही थी? (1)

अथवा

तताँरा लहूलुहान हो चुका था ... वह अचेत होने लगा और कुछ देर बाद उसे कोई होश नहीं रहा। वह कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर पड़ा हुआ था, जोकि दूसरे हिस्से से संयोगवश जुड़ा था। बहता हुआ तताँरा कहाँ पहुँचा, बाद में उसका क्या हुआ कोई नहीं जानता। इधर वामीरो पागल हो उठी। वह हर समय तताँरा को खोजती हुई उसी जगह पहुँचती और घंटों बैठी रहती। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। परिवार से वह एक तरह विलग हो गई। लोगों ने उसे ढूँढ़ने की बहुत कोशिश की, किंतु कोई सुराग न मिला। आज न तताँरा है, न वामीरो। किंतु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। निकोबारियों का मत है कि तताँरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है, जो कार-निकोबार से आज 96 कि.मी. दूर स्थित है। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।

(क) गद्यांश के आधार पर बताइए कि तताँरा की क्या दशा हुई?

(ख) निकोबारियों का लिटिल अंदमान के विषय में क्या कहना है?

(ग) तताँरा-वामीरों की त्यागमयी मृत्यु से क्या परिवर्तन आया?

प्र14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3x3=9)

(क) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है?

(ख) मीरा की भाषागत विशेषताएँ बताइए।

(ग) कस्तूरी और मृग के उदाहरण द्वारा कबीर ने क्या स्पष्ट किया है?

(घ) विरासत में मिली चीज़ों की सँभाल क्यों रखनी चाहिए?

प्र15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3+3=6)

(क) हरिहर काका के मामले में गाँववालों की क्या राय थी?

(ख) गाँव की अपेक्षा ठाकुरबारी का अधिक विकास कैसे हुआ?

(ग) हरिहर काका अपनी जिंदगी के शेष दिन किस प्रकार काट रहे थे?

प्र16. आज रिश्तों में स्वार्थ का बोलबाला है। आप समाज की इस स्थिति में बदलाव लाने के लिए क्या योगदान दे सकते हैं? (4)

(खण्ड-घ)

प्र17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) उत्तराखण्ड में आई प्राकृतिक आपदा और हम

- विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदा
- आपदा के कारण
- जान व माल की हानि
- हमारा कर्त्तव्य

(ख) प्रदूषण की समस्या

- भूमिका
- समस्या
- कारण
- निवारण

(ग) केबल संस्कृति और हमारा भारतीय समाज

- केबल संस्कृति
- केबल के कारण परिवर्तन
- केबल के लाभ व हानि
- विवेकपूर्ण चयन

प्र18. चुनाव के दिनों में शहर की दीवारें नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए चुनाव-आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपनी रचना छपवाने के लिए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।